

प्रभूति स्त्री. (तत्.) 1. प्रभूत होने की अवस्था या भाव, प्रभुता 2. उद्गम, मूल 3. उत्पत्ति 4. शक्ति, सामर्थ्य अधिकता, प्रचुरता, विपुलता 5. पर्याप्तता।

प्रभृति अव्य. (तत्.) 1. आरंभ, शुरू 2. इत्यादि, वगैरह 3. तब से (लेकर) 4. अब से (लेकर) से, से लेकर, से शुरू करके।

प्रभेद पुं. (तत्.) 1. भेद, प्रकार, तरह, किस्म, अंतर 2. फाड़ना, चीरना, खोलना, स्फुटन, फोड़कर निकलने की क्रिया 3. प्रभाग, वियोग **जैव.** कुछ कीटों में ऐसा कीट जो किसी विशेष प्रकार का कार्य करने के लिए शारीरिक रूप से अन्य से भिन्न हो उदा.- 1. मधुमक्खियों में रानी मधुमक्खी 2. किसी जीव-जंतु, पेड़-पौधे आदि में स्पष्ट तौर पर अलग किस्म, नसल, श्रेणी या विविधता वाला वर्ग।

प्रभेदक वि. (तत्.) भिन्नता दर्शाने वाला, अन्य से अलग करने वाला।

प्रभेदन पुं. (तत्.) 1. भेदन की क्रिया या भाव, तोड़-फोड़ 2. भेद, अंतर उत्पन्न करना 3. वस्तुओं आदि की भिन्नता दिखलाना।

प्रभंश पुं. (तत्.) गिरना, गिरकर अलग हो जाना, विस्थापन, स्थान-भ्रंश।

प्रमत्त वि. (तत्.) 1. नशे में चूर, मतवाला, मदोन्मत्त, मस्त 2. विक्षिप्त, चौपट कर देने वाला, पागल, उन्मत्त बावला, जिसकी बुद्धि ठिकाने न हो, असावधान, बहुत भूले करने वाला, उन्मार्गगामी 3. पद, सत्ता आदि का घमंड 4. कामुक, व्यसनी, स्वेच्छाचारी, लंपट।

प्रमथ वि. (तत्.) 1. मंथन करने वाला, पीड़ा देने वाला पुं. (तत्.) 1. घोड़ा 2. शिव के गण।

प्रमथन पुं. (तत्.) कुचलना, वध, हत्या, बिलोना, मथना, सताना, चोट पहुँचाना, क्षति पहुँचाना, संतप्त करना, पीड़ित करना, उत्पीड़न।

प्रमथनाथ पुं. (तत्.) शिव की उपाधि।

प्रमथित वि. (तत्.) 1. प्रपीडित, संतप्त, कुचला हुआ, कष्टग्रस्त, कत्ल किया हुआ, वध किया हुआ 2. छाछ, मूठा, बिलोया हुआ।

प्रमद पुं. (तत्.) 1. मतवालापन 2. आनंद, प्रसन्नता वि. 1. मतवाला, नशे में चूर 2. आवेश पूर्ण, लापरवाह 3. स्वेच्छाचारी, बदलचन, अशिष्ट 4. उग्र।

प्रमदवन पुं. (तत्.) रानियों के विहार, सैर सपाटे के लिए उद्यान या बगीचा, राजमहल का बगीचा पर्या. प्रमदकानन, प्रमदोद्यान, क्रीड़ा।

प्रमदा स्त्री. (तत्.) 1. युवा स्त्री, युवती, सुंदरी, पत्नी या स्त्री, वि. (तद्) रूप के मद में मस्त।

प्रमस्तिष्क पुं. (तत्.) मस्तिष्क के दो प्रमुख भागों में से बड़ा भाग जिसमें चिंतन, विश्लेषण कल्पना, तुलना बड़ी मानसिक क्रियाएँ होती हैं।

प्रमा स्त्री. (तत्.) 1. शुद्ध और यथार्थ ज्ञान, स्मृति, संशय, विपर्यय और तर्क-ज्ञान से भिन्न ज्ञान 2. माप 3. तौल, नाप, जो पदार्थ जैसा है उसको उसी रूप में जानना 4. आधार, नींव।

प्रमाण पुं. (तत्.) 1. माप, नाप तौल, पैमाना आदि, सीमा या हद; परिमाण या मात्रा आकार, विस्तार 2. वह कथन या तत्व जिससे कोई बात सिद्ध हो, सबूत, ऐसी बात जो किसी दूसरी बात के ठीक या सही होने का निश्चय दे, युक्ति, कारण, सबक, वह कथन या तत्व जिसे सब लोग ठीक मानते हों, सत्यता, सच्चाई काव्य. साहित्य में एक प्रकार का अलंकार proof, evidence

प्रमाणचिह्न पुं. (तत्.) सोने, चाँदी, प्लेटिनम आदि बहुमूल्य धातुओं की परिशुद्धता आदि की प्रामाणिकता, किसी मान्यता प्राप्त संस्था से प्रदान किया गया, चिह्न, प्रमाणांक, छापा, ठप्पा। hallmark

प्रमाणन पुं. (तत्.) किसी बात, कथन या लेख को सत्य प्रमाणित करने के लिए कहना या लिखना, प्रमाणीकरण, किसी लेख आदि के बारे में या उस पर यह लिखना कि वह वास्तविक और सत्य है। verification

प्रमाण पत्र पुं. (तत्.) वह पत्र या लेख जो किसी प्रकार का प्रमाण माना जाए, जिस पत्र में कोई बात प्रमाणित करने वाला कोई लेख हो, सन्द,